

प्रागैतिहासिक काल

(Prehistoric Age)



www.championsbooks.shop

परिभाषा : मानव इतिहास का वह प्रारम्भिक काल, जिसमें लिखित भाषा का ज्ञान नहीं था और मानव समाज पत्थर के औजारों का उपयोग करता था, प्रागैतिहासिक काल कहलाता है।

प्रागैतिहासिक काल की प्रमुख बातें

- ★ यह काल लिखित इतिहास से पहले का है।
- ★ मानव जीवन का विकास क्रमिक रूप से हुआ।
- ★ मनुष्य ने पत्थर के औजारों का उपयोग किया।
- ★ आग की खोज मानव जीवन में महत्वपूर्ण थी।
- ★ मनुष्य गुफाओं में रहता था।
- ★ शिकार, मछली पकड़ना और फल-फूल एकत्र करना मुख्य व्यवसाय थे।
- ★ कला की प्रारम्भिक अभिव्यक्ति गुफा चित्रों में दिखाई देती है।



प्रागैतिहासिक काल का दृश्य

प्रागैतिहासिक काल का काल विभाजन



प्रागैतिहासिक काल का महत्व

- इसी काल में मानव का शारीरिक और मानसिक विकास हुआ।
- इसी काल में मानव ने औजार बनाना, आग जलाना और भाषा का प्रारम्भिक रूप सीखा।
- इसी काल ने आगे चलकर सभ्यता के विकास का आधार प्रदान किया।
- मानव के सामाजिक जीवन की नींव इसी काल में पड़ी।
- कला, संस्कृति और तकनीक के विकास की शुरुआत इसी काल में हुई।

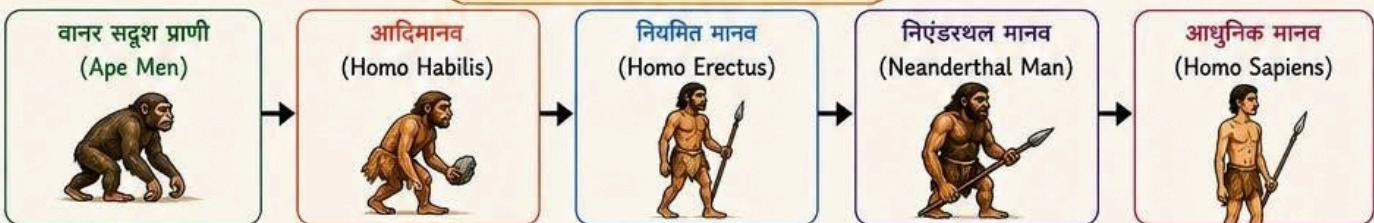


प्रागैतिहासिक काल की विशेषताएँ

- लिखित भाषा का अभाव था।
- मनुष्य प्राकृतिक साधनों पर निर्भर था।
- जीवन यायावरी (Nomadic) था।
- पत्थर के औजारों का उपयोग होता था।
- गुफाओं में निवास किया जाता था।
- कला की प्रारम्भिक अभिव्यक्ति गुफा चित्रों में मिलती है।



मानव के विकास की क्रमिक प्रक्रिया



प्रागैतिहासिक काल के प्रमुख खोज और उपलब्धियाँ

- पत्थर के औजारों का निर्माण
- आग की खोज
- भाषा का प्रारम्भिक विकास
- गुफा चित्रों की रचना
- पशुपालन और कृषि की शुरुआत (नवपाषाण काल में)
- मिट्टी के बर्तन का निर्माण (ताम्र पाषाण काल में)



प्रागैतिहासिक काल के प्रमुख स्थल

- भीमबेटका (मध्य प्रदेश) – गुफा चित्रों के लिए प्रसिद्ध
- बागौर (राजस्थान) – पाषाण कालीन स्थल
- हुनेशी (कर्नाटक) – प्रागैतिहासिक उपकरण
- अदमगढ़ (मध्य प्रदेश) – पाषाण उपकरण
- बेलन घाटी (उत्तर प्रदेश) – प्रागैतिहासिक अवशेष।



नोट : प्रागैतिहासिक काल मानव इतिहास की नींव है, जिसने आगे चलकर सभ्यता और संस्कृति के विकास को जन्म दिया।

